भारत सरकार
रेल मंत्रालय

लोक सभा
17.07.2019 के
अतारांकित प्रश्न सं. 3922 का उत्तर

आमान परिवर्तन

3922. श्री प्रभुभाई नागरभाई वसावाः

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) विगत तीन वर्षों और चालू वर्ष के दौरान गुजरात सहित देश भर में सरकार द्वारा छोटी लाइन से ब्रॉड गेज में रेल आमान-परिवर्तन के कार्य का राज्य-वार ब्यौरा क्या है;

(ख) इस हेतु स्वीकृत, आबंटित और खर्च की गई धनराशि का गुजरात सहित राज्य-वार ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या उक्त कार्य के तहत कोसंबा से उमरपाड़ा रेल-लाइन को भी ब्रॉडगेज में परिवर्तित किया गया है जिसे वर्ष 2015-16 में बजट में शामिल किया गया था;

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ङ) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं और इस कार्य के कब तक पूर्ण होने की संभावना है; और

(च) सरकार द्वारा उपर्युक्त बजट में ही शामिल उमरपाड़ा से नंदूरबार हेतु नई रेललाइन बिछाने के कार्य की मौजूदा स्थिति क्या है और इस कार्य के कब तक पूर्ण होने की संभावना है?

उत्तर

रेल और वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री (श्री पीयूष गोयल)

(क): 01.04.2019 को, भारतीय रेल में 55 आमान परिवर्तन परियोजनाएं हैं जिनमें गुजरात राज्य में 54,293 करोड़ रु. की लागत वाली 7229.29 किमी. लम्बी परियोजनाएं भी शामिल हैं, जो योजना/स्वीकृति/निष्पादन के विभिन्न चरणों में हैं तथा मार्च, 2019 तक, 3798 किमी का आमान परिवर्तन पूरा कर लिया गया है।

बहरहाल, पिछले तीन वर्षों और चालू वर्ष के दौरान, गुजरात राज्य सहित 2,232 किमी का आमान परिवर्तन पूरा कर लिया गया है।

(ख): मार्च, 2019 तक, गुजरात राज्य सहित भारतीय रेल में आमान परिवर्तन परियोजनाओं पर 19638.12 करोड़ रु. व्यय हुए हैं और धन के आवंटन तथा व्यय का परियोजना-वार विवरण भारतीय रेल की वेबसाइट अर्थात् www.indianrailways.gov.in>Ministry of Railways>Railway Board>About Indian Railways>Railway Board Directorates>Finance(Budget)>2019-20_List_of_Works पर पब्लिक डोमेन पर उपलब्ध कराया गया है।

(ग) से (ङ): कोसंबा से उमरपाड़ा के आमान परिवर्तन के लिए सर्वेक्षण वर्ष 2016-17 में पूरा कर लिया गया था। सर्वेक्षण रिपोर्ट के अनुसार, यह परियोजना वित्तीय रूप से व्यवहार्य नहीं पाई गई। अतः, आमान परिवर्तन परियोजनाएं आगे नहीं ले जाई जा सकीं।

(च): उमरपाड़ा से नंदूरबार नई बड़ी लाइन के लिए सर्वेक्षण 2015-16 में स्वीकृत किया गया था और सर्वेक्षण कार्य शुरू कर दिया गया है।

******